FULL STOP - 38

अव्यक्त बापदादा (31.12.1983) **:-**

➳ _ ➳ यह विशेषता है इन्हों की, छिपाने वाले नहीं है। साफ बोलने वाले हैं। इसलिए भी आधा विघ्न, साफ़ सुनाने से खत्म हो जाता है। लेकिन कच्चा सौदा कब तक? पुराने वर्ष में पुरानी रीति रसम समाप्त करनी है ना! यह नये वर्ष में भी यही रीति रसम चलेगी?

➳ _ ➳ अब तक जो हुआ उसको फुलस्टाप की बिन्दी लगाए, सदा साथ और हाथ रहने के स्मृति की बिन्दी अब से लगाओ। बड़े दिन वा खुशी के दिन पर विशेष सुहाग, भाग्य और बधाई की बिन्दी अर्थात् तिलक लगाते हैं। आप लोग भी विशेष याद की भट्ठी के दिन स्मृति की बिन्दी लगाते हो ना! क्यों लगाते हो? भट्टी के दिन बिन्दी खास क्यों लगाते हो? दृढ़ संकल्प की निशानी बिन्दी लगाते हो कि आज का दिन सारा ही 'सहज योगी और श्रेष्ठ योगी' के स्वरूप में रहेंगे। तो आज भी जो थोड़ा सा कच्चा हो तो दृढ़ संकल्प द्वारा फुलस्टाप की बिन्दी लगाओ, दूसरी समर्थ स्वरूप की बिन्दी लगाओ। बिन्दी लगाने आती है? पाण्डवों को बिन्दी लगाने आती है? अच्छा, शक्तियों को बिन्दी लागाने आती है? अविनाशी बिन्दी।

➳ _ ➳ आज सुबह भी सभी ने क्या वायदा किया? समारोह मनाना है ना? (मैरेज समारोह मनाना है) अभी मैरेज की नहीं है क्या? बाल बच्चे पैदा नहीं किये हैं? मैरेज तो हो गई है लेकिन मैरेज का दिन मनाने आये हो। जिसकी मैरेज नहीं हुई है - वह हाथ उ आिो। कितना भी नाज नखरे करो लेकिन माशूक छोड़ने वाला नहीं है क्योंकि जानते हैं कि छोड़कर जायेंगे कहाँ जायेंगे!

➳ _ ➳ जैसे आजकल का विदेश का रिवाज है ना कि छोड़कर हिप्पी बन जाते हैं तो हिप्पी बनना है क्या! एवर हैपी बनना है या हिप्पी बनना है! क्या हालत होती है जो देख भी नहीं सकते। आप सब तो राज्य अधिकारी हो। इसलिए बापदादा जानते हैं कि कभी-कभी नटखट बन जाते हैं। लेकिन बापदादा ने जो वायदा किया है कि साथ ले जायेंगे तो बाप वायदा नहीं छोड सकता। इसलिए साथ चलना ही है।

➢➢ बाबा के साथ समबन्ध

➳ _ ➳ Before Marriage

→ साजन

■ माशूक

➳ _ ➳ During Marriage

→ Bride Groom

- दूल्हा

➳ _ ➳ After Marriage

→ पतियों का पति

➢➢ भगवान से विवाह

➳ _ ➳ मन में Visualize कीजिये

→ की मेरा बाबा से विवाह हो रहा है

- स्वयं का सम्मोहन कीजिये
- जैसे मीरा ने मन ही मन कृषण से विवाह कर लिया

➳ _ ➳ भक्ति मार्ग में

→ अगर एक पत्नी दुसरे पर पुरुष की तरफ देखती है तो उसे कुलकुलन्किनी कहते हैं

- हमें भी भगवान से विवाह कर लेने के बाद किसी देहधारी का संकल्प भी नहीं करना है... पूरी तरह से पतिव्रता बनकर रहना है